इकतारा बोले

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
9394290204

अवसर भरमार रोजगार ही रोजगार ...

'जो सही बात है, उसे सुनकर क्यों इस तरह तीन तेरह कर रहे हो? मंत्री जी ने सही तो कहा है - सारे शिक्षितों के लिए सरकारी रोजगार संभव नहीं है। इसमें क्या गलत कहा उन्होंने? ' 'अरे भैया! क्या बोल दिए आप? ' 'सही तो है। फसल काटते समय मिलने वाले रोजगार को अपनाने कहा गया तो इसमें इतना गुस्सा क्यों? अरे हमारे बच्चे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां के पेट्रोल पंपों पर, सुपर मार्केट में, रेस्टोरेंटों में खाली समय में काम करें तो हमारे लिए गर्व की बात है? वही अपने देश में करें तो छोटा या गलत कैसे हो जाता है? ' 'मतलब उन्होंने कहा था न बहुत सारे रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। ' 'मतलब रोजगार मुहैया कराएंगे कहा न, सरकारी नौकरियां देने की बात तो नहीं थी न? ' 'केंद्र में सत्ता वाली पार्टी ने कहा था कि हर साल एक करोड़ रोजगार मुहैया कराए जाएंगे। वे रोजगार कहां है? ' 'अरे कैसे तुम इतनी बड़ी बात कह सकते हो छोटू! अब देखो हर गांव शहर में सुपर बाजार, मॉल, चैन शोप्स कितने हजार लोगों को रोजगार दे रहे हैं, क्या तुम नहीं जानते? यह मेरा कहना नहीं है। लेकिन सोच इतना अधिक बिजनेस किया होगा वरना जोमैटो का पब्लिक इश्यू अट्ठीस गुना अधिक ओवर सब्सक्राइब हुआ कि नहीं तुम ही बोलो। ' 'भैया! आप ऐसा कहोगे तो मैं क्या कहूंगा? अब तुम क्या सोचते हो कि सरकारी नौकरियां कितनी होती होंगी? एक सौ तीस करोड़ जनसंख्या में, सरकारी चाहे वह केंद्र में हो या राज्यों में सब मिलाकर तीन करोड़ से अधिक नौकरियां नहीं होंगी उनमें भी आधे से अधिक रिक्त रहती हैं क्योंकि चुनाव जब भी हो तो कुछ पदों को भरने की स्थिति दिखानी पड़ती है न? इतने कम अवसरों के लिए इतनी चिल्ल पों क्यों?' छोटू भैया तुम कुछ भी कहो सरकारी नौकरी की अपनी अलग महत्ता होती है अलग ओहदा होता है, रूचि और मजा होता है। अब इससे अधिक में क्या कहूँ? ' 'यह बात यूं ही नहीं कही गई कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। हम बड़े-बड़े सपने देखते हुए अपने बच्चों को भारी फीस देकर बड़ी-बड़ी स्कूलों में, निजी स्कूलों में भेजते हैं न? वही बड़े-बड़े स्कूल कोरोना के नाम पर अपने यहां काम करने वाले शिक्षकों कोरोना के नाम पर अपने यहां काम करने वाले शिक्षकों को बिना वेतन सताया कि नहीं? ये सारे शिक्षक अपने लिए दूसरे रोजगार ढूंढने निकल पड़े। कोई सब्जी बेच रहा है। कोई मजदूरी कर रहा है। कोई किराए की टैक्सी चला रहा है। कोई पकौड़े बेच रहा है। इस तरह कई काम धाम खोज लिए गए हैं और अपने पेट पाले जा रहे हैं। हमारे मोहल्ले में सब्जी बेचने वाला एक शिक्षक तो यहां तक कहता है कि अब स्कूल खुल भी जाएं तो वह नहीं जाएगा। यही धंधा करेगा। इसमें से श्रम की महत्ता आजादी और कमाई दिखाई पड़ती है। वह कहता है कि बेकार में काम के लिए मारा मारा फिर रहा था। ' 'भैया! मैं भी वही कह रहा हूं। मंत्री जी ने नहीं कहा या सरकार ने नहीं कहा इसलिए कोई भी बिना नौकरी, रोजगार, काम तलाश खाली नहीं बैठा है। पकोड़े, आमलेट या समोसे बनाते हुए या पानी पुरी और पाव भाजी के ठेले लगा कर जिए जा रहे हैं। कुछ लोग तो सेलफोन मरम्मत भी कर रहे हैं। जो यह सब नहीं कर पाए तो छोटे-मोटे काम और मजदूरी करके जीवन यापन कर रहे हैं। भैया! ' 'वास्तव में यह रोजगार की समस्या का शोरोशराबा हमारे दक्षिण के राज्यों में ही बहुत ज्यादा है। अब अपने यहां देखो दूसरे राज्यों से आकर यहां व्यापार करने वाले कितने अधिक हैं। उनके बच्चे भी पढ़ते हैं, लेकिन बेरोजगारी का रोना नहीं रोते। किसी पर आरोप नहीं लगाते। उनका लक्ष्य तो हमेशा उनके व्यापार को बढ़ाया देना ही होता है और कुछ नहीं। ' 'सही बात है भैया! आजकल किराना दुकान भी वही चला रहे हैं। शहरों में भी वे बहुत अधिक फैल गए हैं अपने काम धंधे के साथ। तो आप कहना क्या चाहते हो कि हम पढ़ें न शिक्षित न हों। ' 'न न ऐसा मैं क्यों कहने लगा? इंजीनियरिंग, परास्नातक पढे लोग रेलवे गैंगमैन और लिपिकों के रूप में काम कर रहे हैं। उस परिधि से बाहर ना आ सकने की स्थिति में उतार-चढ़ाव के बिना जीवन जी रहे हैं। यही मेरा वेदना का कारण है, मेरे दर्द का सबब है। ' 'भैया! तुम कुछ भी कहो। सरकारी नौकरी का मजा अलग है। अगर वह मिल जाती है तो जिंदगी बन जाती है। इस नाम से हाथ पर हाथ धरे जी सकते हैं। इसीलिए न सभी लोग सरकारी रोजगार के पीछे दौड़ भाग करते हैं। वह तो ठीक है लेकिन? ' 'लेकिन वेकिन छोड़ो भैया! सरकार सुखी रहे और दो-तीन साल में एक बार कुछ एक नौकरियां भरे और क्या चाहिए? रोजगार सूचनाएं अखबारों में आने वाली हैं इस समय। किस को पकड़ना है काम के लिए, कितनी दक्षिणा समर्पित करनी है, देखना है। मैं इस काम में लग जाता हूं। मैं चला। '

जिला कांग्रेस ने की पंचायत वार्ड अध्यक्षों की दूसरी सूची जारी

इन्दौर । कांग्रेस संगठन के कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने के उद्देश्य से देपालपुर विधानसभा के दो नगर पंचायत में वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विपिन वानखेड़े द्वारा देपालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायतों में कुल 30 वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है, जिनमे नगर पंचायत देपालपुर के 15 वार्ड अध्यक्ष और नगर पंचायत गौतमपुरा के 15 वार्ड अध्यक्ष शामिल हैं। जिला कांग्रेस कमेटी, इंदौर द्वारा अब तक नगर पंचायत स्तर पर कुल 60 पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिली है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने कहा कि नवनियुक्त सभी वार्ड अध्यक्ष कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाने, संगठन को सशक्त करने एवं आमजन की समस्याओं को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इन्दौर की नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार

इन्दौर । हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इंदौर के चुनाव दिनांक 28/01/2026 को संपन्न हुए थे जिसमें नवीन पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का निर्वाचन हुआ था।उक्त नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने आज एक गरिमामय कार्यक्रम में पदभार संभाला। उच्च न्यायालय के अभिभाषक संघ के कक्ष गंभीर लाइब्रेरी हॉल में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रशासनिक न्यायमूर्ति विजय शुक्ला एवं विशेष अतिथि मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज द्विवेदी ने इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को पदभार ग्रहण करवाया।

जवाब देने की जगह थप्पड़

अनियमितताओं पर सवाल उठाने वाले ग्रामीण से भाजपा सरपंच ने की मारपीट

पीथमपुर। तहसील की पंचायत दिग्ठान में लोकतांत्रिक व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। ग्राम की समस्याओं और कथित अनियमितताओं को लेकर पंचायत कार्यालय पहुंचे एक ग्रामीण के साथ महिला भाजपा सरपंच द्वारा थप्पड़ों से मारपीट किए जाने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में आक्रोश फैल गया है।

ग्रामीण यशवंत ने बताया कि वह ग्राम सभा में सरपंच की अनुपस्थिति और पंचायत में हो रहे विकास कार्यों को लेकर सवाल उठा रहा था। उसका आरोप है कि पंचायत में कई कार्य केवल कागजों में दिखाए जा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर कोई काम नजर नहीं आता। इसी बात को लेकर जब वह पंचायत कार्यालय पहुंचा और सवाल किए, तो महिला सरपंच नाराज हो गईं।

पंचायत कार्यालय में हुआ विवाद

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बातचीत के दौरान सरपंच ने अचानक अपना आपा खो दिया और ग्रामीण का कॉलर पकड़कर उसे थप्पड़ मार दिए। वीडियो में यह साफ देखा जा सकता है कि ग्रामीण हाथ जोड़कर बात करने की कोशिश करता रहा, लेकिन सरपंच ने उसकी एक न सुनी। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, फिर भी मारपीट होती रही।

मोबाइल छीनने का भी आरोप

पीड़ित ग्रामीण का यह भी आरोप है कि घटना के दौरान सरपंच के बेटे ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया, ताकि पूरी घटना की रिकॉर्डिंग सामने न आ सके। ग्रामीण का कहना है कि वह सिर्फ ग्राम की समस्याएं और कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठा रहा था, लेकिन उसकी बात सुनने के बजाय उसके साथ मारपीट की गई।

वीडियो वायरल, गांव में आक्रोश

घटना का वीडियो सामने आने के बाद गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत में सवाल उठाने पर इस तरह की मारपीट होगी, तो आम जनता अपनी बात कैसे रखेगी। लोगों ने इस घटना को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताया है।

जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पंचायत जनप्रतिनिधियों का काम जनता की बात सुनना है, न कि सवाल पूछने पर हाथ उठाना। फिलहाल प्रशासन और पुलिस की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है।

नगर पालिका की लापरवाही उजागर

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पानी की टंकी ओवरफ्लो, हजारों लीटर पानी बहा

पीथमपुर। नगर में मंगलवार को नगर पालिका अधिकारियों की लापरवाही एक बार फिर सामने आई। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में स्थित पानी की टंकी में भरने के बाद भी समय पर पानी बंद नहीं किया गया, जिससे टंकी ओवरफ्लो हो गई और करीब एक हजार लीटर से अधिक पानी बहकर जमीन पर फैल गया। यह घटना नगर पालिका के अमले की उदासीनता को साफ तौर पर उजागर करती है।

जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की पानी की टंकी को भरने के लिए नगर पालिका द्वारा जल आपूर्ति की गई थी। टंकी पूरी तरह भर जाने के बाद भी करीब आधे घंटे तक सप्लाई चालू रही। ओवरफ्लो निगरानी के अभाव में पानी लगातार बाहर बहता रहा। स्थानीय रहवासियों ने जब पानी बहता देखा तो नाराजगी जाहिर की और इसे नगर पालिका जोन प्रभारी की सीधी लापरवाही बताया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि संबंधित झोन प्रभारी ईश्वरी लाल मीणा कार्यालय पर समय पर मौके पर मौजूद नहीं थे, जिससे पानी की सप्लाई बंद नहीं हो सकी। रहवासियों का कहना है कि यदि नगर पालिका अधिकारी और कर्मचारी समय पर निगरानी रखते, तो इतनी बड़ी मात्रा में पानी की बर्बादी रोकी जा सकती थी। गौरतलब है कि एक ओर गर्मी का मौसम नजदीक है और दूसरी ओर पीथमपुर पहले से ही पेयजल संकट की आशंका से जूझ रहा है। ऐसे में हजारों लीटर पानी का यूं ही बह जाना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष सेवंती पटेल ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। पानी की बर्बादी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही टंकियों की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

नगर निगम की रिश्वतखोर महिला कर्मचारी बर्खास्त, एमआईसी मेंबर ने पीड़िता की सहायता से किया था मामला उजागर

इन्दौर । एमआईसी मेंबर द्वारा रिश्वतखोरी का मामला उजागर करने के बाद नगर निगम के जोन 12 की आउटसोर्स कर्मचारी पिंकी राठौर को तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त कर दिया गया है। पिंकी राठौर के खिलाफ यह पूरी कार्रवाई अनधिकृत रूप से राशि मांगने की शिकायत मामले को सही पाए जाने पर की गई है। मामले में हितग्राही आकांक्षा पाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पिंकी राठौर समग्र आईडी रिकवर करने और केवायसी अपडेट करने जैसे सामान्य सरकारी काम के बदले पैसों की मांग कर रही है। भ्रष्टाचार के इस मामले को एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने गंभीरता से लेते पीड़ित महिला के माध्यम से आरोपी कर्मचारी को निगम मुख्यालय बुलवाया, जहां उसे रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा था। मामले में यह बात भी सामने आई है पिंकी राठौर द्वारा रिश्वत की राशि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए मांगी गई थी। रिश्वतखोरी का यह पूरा मामला निगमायुक्त क्षितिज सिंघल के पास पहुंचा तो उन्होंने कड़ा रुख अपनाते आरोपी कर्मचारी पिंकी राठौर की सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए।

दुष्कर्मी रैपिडो चालक गिरफ्तार, नाबालिग से किया दुष्कर्म

इन्दौर । सत्रह वर्षीय नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने वाले रैपिडो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला राजवाडा बाजार थाना क्षेत्र का है जहां दुष्कर्म पीड़िता ने कल रैपिडो चालक के खिलाफ चैट जीपीटी के जरिए महिला अपराध से जुड़ी हेल्पलाइन तलाशी और पुलिस को सूचना दी थी जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच बालिका की सहायता करते उसे थाने ला उसके परिजनों को जानकारी दी थी। पुलिस के अनुसार आरोपी अंकित नागर राजगढ़ जिले का मूल निवासी है। फिलहाल नेहरू नगर इलाके में दोस्तों के साथ किराए के कमरे में रहकर बीए की पढ़ाई कर रहा है और खर्च चलाने के लिए वह पार्ट-टाइम रैपिडो भी चलाता है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने मोबाइल एप से राजवाड़ा जाने के लिए रैपिडो बाइक बुक की थी लेकिन अंकित उसे तय लोकेशन पर न ले जाते हुए उसे सस्ते कपड़े दिलाने का झांसा दे परदेशीपुरा क्षेत्र ले गया। वहीं कथित तौर पर दुष्कर्म किया और उसके बाद रात करीब नौ बजे आरोपी किशोरी को शनि मंदिर के पास छोड़कर मौके से फरार हो गया था।? जहां से पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी और उसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसके गिरफ्तार कर लिया।

श्री अग्रसेन क्लब के सदस्यों ने शहीद सैनिको को दी श्रद्धांजलि

इंदौर समाचार प्रतिनिधि! समाज की अग्रणी संस्था श्री अग्रसेन क्लब द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे व देश के लिए शहीद हुए सैनिक को सम्मान देने के उद्देश्य से देशभक्ति से ओतप्रोत एक आयोजन किया गया!

संस्था के 300 से ज्यादा सदस्यों ने एकत्रित होकर राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति के गीतों पर प्रस्तुतियों के माध्यम से कुर्बान सैनिको को श्रद्धांजलि दी! देशभक्ति की भावना को और बढ़ाते हुए सभी सदस्यों द्वारा फिल्म बार्डर 2 भी देखी गई! श्री अग्रसेन क्लब के प्रमुख परामर्शदाता निखिल शीतल अग्रवाल, संस्थापक राधा देवी मित्तल, पुष्पा एरन, कमल किशोर गर्ग, ऊषा बंसल, अध्यक्ष उमेश सपना मंगल, सचिव राकेश प्रीति गोयल के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन में हर उम्र के अग्र बन्धुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई! मूवी के पहले संस्था के सभी सदस्यों को हाई टी, पोहा, कचौड़ी, समोसा, जलेबी, चाय, कॉफी, पॉपकॉर्न का स्वल्पाहार कराया गया! कार्यक्रम प्रभारी मानस अग्रवाल, अभय पूजा अग्रवाल, विनोद सीमा अग्रवाल, परेश स्वाति गोयल, रोहित माधुरी अग्रवाल, पूजेश रितू अग्रवाल, पंकज रेनू अग्रवाल ने व्यवस्था को संभाला! श्री अग्रसेन क्लब संस्था प्रमुख नारायण मीना गोयल, गजेंद्र रिंकू अग्रवाल, सुरभि राजेश अग्रवाल, उमेश सपना मंगल, राकेश प्रीति गोयल, संदीप अलका अग्रवाल, भारत प्रवीणा अग्रवाल, शेखर सोनम गोयल, उपस्थित हुए समाज जनों का स्वागत किया!

नवविवाहिता ने लगाई फांसी, मौत परिजनों के पुलिस पर आरोप

इन्दौर । पति द्वारा बाजार नहीं ले जाने को लेकर हुए विवाद के बाद नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। मामला विजयनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मृतका का नाम मोनिका चौहान पति रितेश पटेल उम्र बीस साल निवासी कल्प कामधेनू नगर है। सोमवार को मोनिका ने अपने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पति घर से बाहर था। जब वह लौटा तो पत्नी को फंदे पर लटका देख तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार अपने पति रितेश पटेल के साथ रहते हुए मोनिका घर पर ही सिलाई का काम करती थीं, जबकि रितेश रैपिडो बाइक चलाता हैं। पूछताछ में रितेश ने पुलिस को बताया कि सोमवार को मोनिका ने सिलाई के लिए कपड़ा लाने को कहा था, लेकिन वह उसे कपड़ा दिलाने नहीं ले जा सका। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद मोनिका ने यह कदम उठा लिया। मोनिका और रितेश ने अप्रैल 2025 में घर से भागकर प्रेम विवाह किया था। दोनों पहले एक ही स्कूल में पढ़ते थे। मोनिका के माता-पिता खजराना इलाके में रहते हैं। मोनिका के पिता हीरालाल चौहान ने इस मामले में पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते कहा है कि अप्रैल 2025 में उन्होंने खजराना थाने में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी और कई बार पुलिस से बेटी को ढूंढने की गुहार लगाई, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि बेटी विजयनगर में रह रही है।

अंबेडकर प्रतिमा से छेड़छाड़ का मामला: भीम आर्मी ने किया चौकी घेराव

पीथमपुर। तहसील के ग्राम पंचायत दिग्ठान में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा से कथित छेड़छाड़ और अपमान के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मंगलवार को भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने दिगन चौकी का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर एसडीएम, थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके। भीम आर्मी के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत परिसर में स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को जानबूझकर क्षतिग्रस्त किया गया, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और प्रतिमा की मरम्मत की मांग की। मौके पर पहुंचे एसडीएम और थाना प्रभारी ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर स्थिति को शांत कराया। प्रशासन की ओर से डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा को शीघ्र सुधारने और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया गया। इसके बाद भीम आर्मी ने अपना घेराव समाप्त किया। टीआई प्रकाश सरोदे ने बताया कि मामले में सुरेश पिता रमेश गोयल, हरीओम पिता सुरेश गोयल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है है। विवेचना जारी है और सभी पहलुओं की गंभीरता एवं से जांच की जा रही है। कानून के अनुसार दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।